

प्राइमरी इंसोमनिया (नींद न आने की समस्या) वाले मरीजों में रोगन-ए-बनफ़शा (वायोला ओडोराटा तेल) के सेडेटिव और हिप्नोटिक असर का फार्मास्यूटिको-एनालिटिकल स्टैंडर्डाइज़ेशन, कैरेक्टराइज़ेशन और क्लिनिकल मूल्यांकन

अतहर परवेज़ अंसारी^{क*}, एन ज़हीर अहमद^ख, मैरी शाम्या अरोकियाराजन^क, अचिंत्य कुमार मंडल^क एवं हाफ़िज़ मोहम्मद असलम^ग
^कक्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई (NABH और NABL से मान्यता प्राप्त), केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार

^खकेंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद, जनकपुरी, नई दिल्ली, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार

^गत्वचा रोगों के लिए यूनानी चिकित्सा का राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद, केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार

*ई-मेल: aatharparvez@gmail.com

प्राप्त 02 नवंबर 2025; संशोधित 29 जुलाई 2026; स्वीकृत 05 अगस्त 2026

पारंपरिक इलाज करने वालों और आधुनिक शोधकर्ताओं, दोनों ने बताया है कि 'वायोला ओडोराटा' (*Viola odorata*) के फूलों से मिला अर्क या उसका तेल, नींद लाने और शांत करने (sedative and hypnotic) का असर दिखा सकता है। यूनानी हकीम कई बीमारियों, खासकर अनिद्रा और सिरदर्द के इलाज के लिए 'रोगन बनफ़शा' (*Roghan Banāfshā*) की सलाह देते हैं। इस स्टडी का मकसद प्राइमरी इंसोमनिया (primary insomnia) वाले मरीजों पर इसके फार्मास्यूटिको-एनालिटिकल स्टैंडर्डाइज़ेशन, गुणों की पहचान और नींद लाने व शांत करने वाले असर का मूल्यांकन करना था। फार्मास्यूटिको-एनालिटिकल स्टैंडर्डाइज़ेशन में 'रोगन बनफ़शा' के भौतिक-रासायनिक गुण, HPTLC और GC-MS फिंगरप्रिंट प्रोफ़ाइल शामिल हैं। नींद के पैटर्न और इंसोमनिया की गंभीरता के इंडेक्स में सुधार को देखकर, प्राइमरी इंसोमनिया वाले मरीजों के एक ही ग्रुप पर इसके नींद लाने और शांत करने वाले असर का मूल्यांकन किया गया। 'रोगन बनफ़शा' के अलग-अलग भौतिक-रासायनिक और एनालिटिकल इंडेक्स के नतीजे सामान्य सीमा के भीतर पाए गए। शॉर्ट UV स्कैनिंग और लॉन्ग UV स्कैनिंग के तहत की गई HPTLC फिंगरप्रिंटिंग में क्रमशः सात और नौ अलग-अलग बैंड की पहचान की गई। 'रोगन बनफ़शा' के GC-MS फिंगरप्रिंट प्रोफ़ाइल में 10 बायोएक्टिव तत्व (bioactive constituents) पाए गए, जिनमें 3-केरीन (3-carene) और ओलिक एसिड (oleic acid) शामिल हैं, जो नींद लाने और शांत करने वाले असर से जुड़े हैं। तैयार किए गए भौतिक-रासायनिक मानक, HPTLC और GC-MS क्रोमैटोग्राम का भविष्य में संदर्भ के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। शुरुआती क्लिनिकल स्टडी से पता चला है कि जीवनशैली और खान-पान में बदलाव के साथ-साथ सिर की त्वचा और माथे पर 'रोगन बनफ़शा' से मालिश करना प्राइमरी इंसोमनिया से राहत दिलाने में फायदेमंद है।

मुख्य शब्द: रोगन-ए-बनफ़शा, मानकीकरण, शामक (sedative), निद्राकारी (hypnotic), यूनानी चिकित्सा